

‘ब्लैसिंग’ से करें जीवन की बैलेंस शीट ठीक:शिवानी



कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए डिस्ट्रीक्ट कलेक्टर रवि कुमार सुरपुर, करियर प्वाइंट इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर ओम महेश्वरी, आई.एम.एम. के प्रेसीडेंट बी.एल.गोचर, ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. हेमलता व ब्र.कु. उर्मिल।

कोटा-राज. जीवन को देखें, हम इसमें क्या बदलाव लाना चाहते हैं और उसे कौन बदल सकता है। अपने निजी जीवन में या अपने घर के आसपास क्या कभी कुछ ऐसा दिखता है जिसके लिए मन बार-बार कहता है ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। किसने डिसाइड किया? किसकी याद आती है? उंगली किस तरफ जाती है? उक्त विचार करियर प्वाइंट ऑडिटोरियम में ‘बैलेंस शीट ऑफ लाइफ’ विषय पर आयोजित कार्यक्रम में जीवन प्रबंधन

विशेषज्ञ ब्र.कु. शिवानी ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि जब कभी बुरा होता है तो हम भगवान को दोष देते हैं कि भगवान ने हमारे साथ ऐसा क्यों किया? अगर भगवान की मर्जी से दुनिया चलती तो क्या ऐसा होता कि किसी के अलग अलग देशों में बड़े-बड़े आलिशान घर हैं और किसी के पास रहने के लिए एक छत भी नहीं। उन्होंने बताया कि जो कुछ हमारे साथ हो रहा है वह हमारे पूर्व कर्मों के रिज़ल्ट अनुसार हो रहा है, उसको ठीक भी

मुझे ही करना है। परमात्मा इसमें हस्तक्षेप नहीं करेगा। अगर हम किसी के प्रति नफरत पकड़ के रखते हैं तो हमारे नफरत पकड़ने से बीमार वे नहीं होते लेकिन बीमार, दुःखी, परेशान हम होते हैं। हमारा बी.पी., कोलेस्ट्रॉल बढ़ेगा, रात को नींद नहीं आयेगी। बीमारी को स्वीकार करते लेकिन लोगों को हम क्षमा नहीं कर सकते क्योंकि उनके कर्म का फल उनके सामने आना ही है लेकिन उनको क्षमा करने से हमारा मन शान्त रहता है, बी.पी.,

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। अगर किसी के प्रति शुभभावना रखते हुए भी सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं आती है तो समझ लेना कि उनके साथ मेरा कैरी फारवर्ड कार्मिक अकाउन्ट है, थोड़ा और ज़्यादा समय लगेगा।

उन्होंने आगे कहा कि जीवन एक सुंदर जर्नी है। लेकिन अगर जीवन को हमने रेस समझा तो आगे जाने की होड़ में हमारा आपसी प्यार, शुभ भावना, सहयोग खत्म हो जायेगा। ऐसे ही चलते-चलते हम कितने निगेटिव कर्म

क्रियेट कर देते हैं, फिर उसका परिणाम भी हमें ही भुगतना पड़ता है। मेरा एक कर्म अगर किसी के मन को अशान्त करता है तो वो सारी अशान्ति के वायब्रेशन्स मुझे मिलेंगे और यदि किसी के मन को शान्त करता है, सुख देता है तो ढेर सारी दुआयें हम इकट्ठी करेंगे। जीवन का एक ही लक्ष्य होना चाहिए, दुआएं कमाना। जो धन कमाते वह ज़रूरी नहीं कि दुआयें भी कमायेंगे लेकिन जो दुआयें कमाते वह अपनी क्षमता से कई गुणा ज़्यादा धन कमायेंगे।

ब्रह्माकुमारीज़ का सामुदायिक रेडियो स्टेशन ‘मंथन अवॉर्ड’ से सम्मानित



श्रीमती अरुणा राय द्वारा मंथन अवॉर्ड प्राप्त करते हुए ब्र.कु. यशवंत पाटील।

नई दिल्ली। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा संचालित सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो मधुबन 90.4 एफ.एम. ने अपनी समुदायिक सेवा की सफलताओं में एक और नया कीर्तिमान शामिल कर लिया है। डिजिटल एम्पावरमेंट फाउण्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 12वें मंथन अवॉर्ड में ई-कम्युनिटी ब्रॉडकास्टिंग वर्ग में रेडियो मधुबन ने फाइनलिस्ट के रूप में सफलता अर्जित की। इस वर्ष पूरे भारत के सभी सामुदायिक रेडियो स्टेशन में से सिर्फ 3 सामुदायिक रेडियो को यह सफलता प्राप्त हुई है। रेडियो मधुबन के द्वारा प्रसारित किया जाने वाला कार्यक्रम ‘आपका स्वास्थ्य आपके हाथ’ जो आदिवासी समुदाय के लिए फोन आधारित जागरूकता

कार्यक्रम है, उसे यह सम्मान हासिल हुआ। यह कार्यक्रम हर रविवार प्रातः 10 बजे प्रसारित होता है। रेडियो मधुबन के स्टेशन प्रमुख ब्र.कु. यशवंत पाटील ने सोशल एक्टिविस्ट और मेगसेसे पुरस्कार से सम्मानित आर.टी.आई. एक्टिविस्ट श्रीमती अरुणा राय की उपस्थिति में यह सम्मान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में कुल 13 वर्गों में पुरस्कार वितरित किये गए। जिसमें बंगलादेश और श्रीलंका के भी प्रतिभागियों ने पुरस्कार जीते। यह कार्यक्रम डिजिटल एम्पावरमेंट फाउण्डेशन, वोडाफोन फाउण्डेशन और पब्लिक इंटररेस्ट रजिस्ट्री के सह प्रायोजन में इंडिया हेबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में 2 दिसम्बर 2016 को आयोजित किया गया था।

जागरूकता से होगा बुराइयों का खात्मा

हाथरस। जागरूकता इलाज से बेहतर है। समझदार के लिए इशारा काफी होता है। शिक्षक समाज के लिए आशा के दीपक हैं। पहले स्वयं को अनुशासित रखेंगे तभी विद्यार्थियों के ऊपर प्रभाव पड़ेगा। इसके लिए शिक्षित युवाओं का आगे आना ज़रूरी है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के स्वयंसेवकों द्वारा चलाया जा रहा अभियान प्रशंसनीय है। संस्था के इसी तरह के रचनात्मक गतिविधियों के लिए महाविद्यालय के द्वार हमेशा खुले रहेंगे। उक्त विचार शहर के प्रतिष्ठित पी.सी. बागला महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रामकृष्ण शर्मा ने ‘मेरा भारत व्यसन मुक्त भारत’ अभियान के अन्तर्गत बी.एड. संकाय के होवनाहार शिक्षकों के लिए आयोजित कार्यक्रम में प्रकट किये।

ब्र.कु. दिनेश ने कहा कि स्वयं में निहित आत्मिक ऊर्जा के प्रति जागरूक होने से मनोबल विकसित होता है जिससे ही व्यसन से निजात पाया जा सकता है। उन्होंने मनोबल बढ़ाने के लिए राजयोग मेडिटेशन को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की।



कार्यक्रम में संबोधित करते हुए डॉ. शर्मा। साथ हैं ब्र.कु. शान्ता व अन्य।

क्षेत्रिय संचालिका ब्र.कु. शान्ता ने कहा कि आज की भाग-दौड़ की ज़िन्दगी में धन उपाजन में युवा अपनी शक्तियों को खर्च करता है। आज आवश्यकता है अपने जीवन में चरित्र को उन्नत करने की, उससे ही व्यसन व बुराइयों से मुक्ति मिलेगी। इसके लिए अध्यात्म सबसे अच्छा सहारा है। आत्मिक स्वरूप की पहचान के साथ परमात्मा के प्रति आस्था रखने और उनके संग का रसास्वाद करने से जीवन में अच्छे संस्कारों का उदय होता है।

उन्होंने आगे कहा कि जैसा हम जीवन का लक्ष्य बनायेंगे वैसा ही हमारा जीवन भी बनता जायेगा। जैसा लक्ष्य होगा वैसा लक्षण खुद-ब-खुद धारण

होते चले जायेंगे। उन्होंने आत्मदर्शन, परमात्म दर्शन, लक्ष्य दर्शन पर विद्यार्थियों से विस्तृत चर्चा की। इस कार्यक्रम में व्यसन मुक्ति शिक्षा के साथ-साथ मूल्यनिष्ठ समाज की स्थापना के लिए धार्मिक सेवा प्रभाग तथा मेडिकल विंग की चित्र प्रदर्शनियाँ तथा फिल्म भी दिखाई गई। इस अवसर पर डॉ. पी.डी. राठी, विमलेश बहिन, मंजू बहिन, ब्र.कु. गजेन्द्र, मुहम्मद शकील, अम्बुज, सुमन, नीलम, ममता, बेबी, नरेन्द्र, अगम प्रकाश, प्रदीप, रिहाना सहित बी.एड. संकाय के सभी विद्यार्थी उपस्थित थे।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088, Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये। विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क ‘ओमशान्ति मीडिया’ के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)

Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 15th Dec 2015

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।